

# शेयर बाजार के निवेशकों में यूपी दूसरे नंबर पर

**1.5 करोड़ निवेशक उत्तर प्रदेश में पंजीकृत... एनएसई की अप्रैल 2026 की रिपोर्ट में खुलासा, महाराष्ट्र टॉप पर**

अभिषेक गुप्ता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश अब सिर्फ कृषि व पारंपरिक उद्योगों का प्रदेश नहीं रह गया है। देश के पूंजी बाजार में भी इसकी हिस्सेदारी बढ़ रही है। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) की अप्रैल 2026 की रिपोर्ट के मुताबिक राज्य में पंजीकृत निवेशकों की संख्या करीब 1.5 करोड़ पहुंच चुकी है। इससे यूपी निवेशकों के मामले में महाराष्ट्र के बाद देश का दूसरा बड़ा राज्य बन गया है।

रिपोर्ट के मुताबिक इक्विटी कैश सेगमेंट में सक्रिय व्यक्तिगत निवेशकों की संख्या के आधार पर यूपी देश में तीसरे स्थान पर है। अप्रैल में राज्य के 12.6 लाख सक्रिय निवेशक बाजार में कारोबार कर रहे थे, जो कुल राष्ट्रीय हिस्सेदारी का 9.5 प्रतिशत है। इसमें महाराष्ट्र (24 लाख) और गुजरात (20.5 लाख) के बाद यूपी तीसरे स्थान पर है।



## निवेशकों की नई राजधानी बन रहे छोटे शहर

यूपी में निवेश का यह विस्तार अब लखनऊ, नोएडा और कानपुर जैसे बड़े शहरों तक सीमित नहीं है। छोटे शहरों व जिलों से भी बड़ी संख्या में लोग शेयर बाजार से जुड़ रहे हैं। मोबाइल आधारित ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म, आसान डीमेट खाता प्रक्रिया और डिजिटल भुगतान व्यवस्था ने निवेश को गांव-कस्बों तक पहुंचा दिया है।

■ वाराणसी, झांसी, मेरठ, गाजियाबाद, आगरा व प्रयागराज ही नहीं बांदा, महोबा, कन्नौज, एटा, महाराजगंज, कौशाम्बी, अयोध्या, गोंडा, बहराइच, शामली व सहारनपुर जैसे जिलों में भी निवेशकों की संख्या बढ़ी है। एनएसई के अनुसार इस साल सिर्फ अप्रैल में देश भर में सर्वाधिक 1.70 लाख नए निवेशक यूपी से जुड़े, जबकि महाराष्ट्र में 1.19 लाख, पश्चिम बंगाल में 75,700 और बिहार में 72,500 निवेशक ही जुड़े।

## कारोबार में मजबूत मौजूदगी

स्टॉक मार्केट एक्सपर्ट और एनालिस्ट राजीव तुलस्यान ने कहा कि पिछले महीने अप्रैल में राज्य का व्यक्तिगत निवेशकों का इक्विटी कैश टर्नओवर 1.3 लाख करोड़ रुपये रहा, जो देश में तीसरा सबसे बड़ा था। राष्ट्रीय टर्नओवर में राज्य की हिस्सेदारी 7.4 प्रतिशत रही, जबकि एक दशक पहले तक पूंजी बाजार के कारोबार में यूपी की मौजूदगी सीमित थी।

## लोगों की आय बढ़ी

ट्रेड एनालिस्ट और चार्टर्ड एकाउंटेंट श्रेष्ठ गोधवानी ने बताया कि यूपी की तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था, एक्सप्रेसवे, औद्योगिक निवेश, रक्षा कॉरिडोर, डाटा सेंटर और सेवा क्षेत्र के विस्तार से लोगों की आय बढ़ी है। इसका एक हिस्सा अब बैंक जमा, म्यूचुअल फंड और शेयर बाजार आदि में निवेश हो रहा है।

## इसलिए भी बढ़ रही यूपी की हिस्सेदारी

■ बढ़ती वित्तीय साक्षरता ■ युवाओं की निवेश में बढ़ती रुचि ■ बढ़ती आय और बचत का निवेश की ओर रुख ■ टियर-2 और टियर-3 शहरों में डिजिटल पहुंच का विस्तार।